In 2019-20 this college wishes to submit the following two best practices as under:

1. Microbiology Fest
2. Hindi Pakhwada

The details of these practices in the format given by the NAAC, Bengaluru are as under:

(A) **Microbiology Fest:**

1. **Title of the practice:** Microbiology Fest 2020
2. **Objectives of the Practice:-**
   a. To increase interest about Microbiology among students and to introduce them to various avenues of Microbiology.
   b. To learn and understand basic concept in Microbiology through various activities viz; Rangoli, Poster and model and Quiz competition.
   c. To understand microbes and their role and their utility in day to day life to solve global challenges.
   d. To aim to answer many important global challenges by understanding microbes.
   e. To increase competency among students to organize events
3. **The Context:**

What were the contextual features or challenging issues that need to be addressed in designing and implementing this practice?

Employment of microbiologists is estimated to grow nearly 8 percent over the coming 10 years which is as fast as the average for all profession. Demand for skilled microbiologists will increase in the coming future. Regular syllabus is not sufficient to meet with the global challenges encountered in the field. In the coming future, in an expedition to find more clean sources of energy, microbiologists will be involved, such as industrial microbiologists and mycologists who can do rigorous research and develop alternate energy sources such as biofuels and biomass. Further, microbiologists will be needed in agriculture to help in developing genetically engineered crops that offer superior yields and involve less chemical fertilizers and pesticide. Lastly, the use of microbiologists will be made in endeavors to uncover up to the minute and improved ways to safeguard public health and preserve environment.

Microfest activity run by the department of microbiology covers most of the aspects of microbiology. Introduction of PG programme in the department would expand radius of this activity. In future, state and national level Microbiology fest activities will be arranged.

4. **The Practice:-**

Microbiology fest is the festival of Microbiology organized by microbiology department. This activity is run by the students of this department. Students of T.Y. B. Sc. Microbiology shoulder the responsibility of the whole event. The managing committee of students' unit regulates the activities as well as the financial matter of the unit. The managing committee which includes secretary, treasurer and members are selected from among the students. Various activities to be conducted are decided by the students which include guest lectures by eminent faculty members from other academic and research institutions. Agar art competition, essay writing competition, topic presentation (seminars) , poetry reading, scientific rangoli competition, scientific poster competition are activities under this scheme. Such activities may help students to develop the skill in the subject as well as the important aspects like critical thinking, creativity, communication, team work and collaboration.

5. **Evidence of success:**

Almost 100 students from UG participated in various events, viz., rangoli, poster, microtoon, poetry reading, oral presentation, scientific posters etc. 200 students from FY, SY and TY classes were involved in the activity. Prof. Archana Jadhav (D. Y. Patil College, Pimpri, Pune-18) delivered a talk on "Scope of Microbiology". All the winners were awarded certificates and medals. Students' involvement from bottom of heart made the event successful.

6. Problems encountered and Resources required :

Microfest activity is organized every year by the Microbiology department and conducted by the students. The funds required are collected by students themselves. Students collect money and raise funds. This limits its scope for this activity cannot be organized for students of nearby colleges due to scarcity of funds.

(B) हिंदी पखवाड़ा:

1. **: Title of the Practice**हिंदी पखवाड़ा

2. :Objectives of the Practice

- छात्रों में हिंदी भाषा के प्रति रुझान बढ़ाने हेतु महाविद्यालय के हिंदी विभाग की ओर से प्रतिवर्ष' हिंदी पखवाड़ा'के उपलक्ष्य में विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है।
- छात्रों के हिंदी संप्रेषण कौशल को विकसित करना प्रस्तुत गतिविधि का मौलिक उद्देश्य है ।
- भूमंडलीकरण के युग में हिंदी आज विश्वभाषा बन चुकी है और रोजगारोन्मुख,बाज़ार की भाषा भी । महाविद्यालय के छात्र मानक हिंदी बोलने तथा लिखने का प्रयास करें और राष्ट्रभाषा के प्रचार में अपना आंशिक योग देकर हिंदी के तहत विश्व पटल पर सक्षमता (Global Competency) से पहुँचने की कोशिश करें, इसी उद्देश्य से' हिंदी पखवाड़ा'आयोजित किया जाता है।

3. : The Context

जिस तरह केंद्र सरकार के कार्यालयों तथा राष्ट्रीयीकृत बैंकों में राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन हेतु सितंबर माह में हिंदी'पखवाड़ा 'मनाया जाता है,उसी प्रकार महाविद्यालय के कला,वाणिज्य,विज्ञान सभी संकायों के छात्रों को हिंदी भाषा का ज्ञान प्राप्त हो, वे हिंदी का प्रयोग आसानी से कर सकें इसलिए हिंदी प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाती हैं ।महाविद्यालय के अधिकतर छात्रों की मातृभाषा मराठी है।इसके बावजूद छात्र हिंदी पढ़ते,बोलते और लिखते हैं।

4. : The Practice

राष्ट्रीय उच्च शिक्षा नीति में हिंदी भाषा का महत्त्व समझते हुए हिंदी भाषा को बढ़ावा देने हेतु हिंदी पखवाड़ा के उपलक्ष्य में निम्नलिखित छात्रकेंद्रित गतिविधियों का आयोजन किया जाता है:

- हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता
- हिंदी काव्यवाचन प्रतियोगिता
- हिंदी वक्तृत्व प्रतियोगिता
- हिंदी भित्तिपत्रिका प्रकाशन
- हिंदी दिवस समारोह

आरंभ में छात्रों को उक्त गतिविधियों के बारे में सूचित किया जाता है, छात्रों के नाम दर्ज करवाए जाते हैं , विविध प्रतियोगिताओं के मूल्यांकनों के निकष निर्धारित किए जाते हैं, परीक्षण तालिका बनाई जाती है ,निर्णायक नियुक्त किए जाते हैं ,निर्णायकों को मूल्यांकन हेतु परीक्षण तालिका दी जाती है।प्रत्येक प्रतियोगिता के लिए दो निर्णयक गण नियुक्त किए जाते हैं । दो निर्णायकों द्वारा दिए गए अंकों के आधार पर प्रतियोगिता परिणाम घोषित किए जाते हैं।प्रथम तीन विजेता छात्रों को हिंदी दिवस समारोह में प्रमाणपत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाता है।

5. :Evidence of Success

हिंदी विभाग द्वारा महाविद्यालय स्तर पर हिंदी' पखवाड़ा 'गतिविधि का आयोजन शैक्षिक वर्ष 13- 2012 से किया जा रहा है। प्रस्तुत आयोजन में प्रतिवर्ष 70 से 80 छात्र सम्मिलित होते हैं। प्रस्तुत आयोजन से लेखन कौशल प्राप्त करते हुए छात्र सृजनात्मक लेखन करते हैं ।छात्रों के संप्रेषण कौशल में बढ़ोत्तरी परिलक्षित होती है।

शैक्षिक वर्ष 20-2019 में रयत शिक्षण संस्था के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में हिंदी' पखवाड़ा'के औचित्य को परिलक्षित करते हुए राज्यस्तरीय हिंदी निबंध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।उक्त प्रतियोगिता में महाराष्ट्र राज्य के विविध महाविद्यालयों से 41 छात्र सहभागी हुए । निबंध प्रतियोगिता के विजेता छात्रों को महात्मा फुले महाविद्यालय के हिंदी विभाग की ओर से आयोजित हिंदी दिवस समारोह में पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया ।प्रथम ,द्वितीय एवं तृतीय पारितोषिक प्राप्त छात्रों को क्रमशः राशि रु-/ 700 .रु -/500 .रु -/ 300.विभाग द्वारा प्रदान की गई। सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाणपत्र प्रदान किए गए।

'हिंदी पखवाड़ा के'उपलक्ष्य में आयोजित विविध प्रतियोगिताओं में कुल 91 छात्र सम्मिलित हुए। 14सितंबर 2019 , को हिंदी दिवस समारोह के अवसर पर प्रमुख मार्गदर्शक मा.डॉ .मा .डॉ .शाकीर शेख) अध्यक्ष,हिंदी विभाग,पूना कॉलेज,पुणे(का व्याख्यान आयोजित किया गया। उनके मार्गदर्शन का विषय रहा- 'रोजगारोन्मुख हिंदी' मा.प्राचार्य डॉ.पांडुरंग गायकवाड जी ने समारोह की अध्यक्षता की।प्रस्तुत समारोह में 108 छात्र उपस्थित थे।हिंदी विभाग की अध्यक्ष डॉ.कामायनी सुर्वे तथा डॉ.वैशाली खेडकर ने उक्त सभी गतिविधियों का संयोजन किया।

6. : Problems Encountered and Resourses Required

छात्रों के हिंदी उच्चारण पर कभी- कभी मातृभाषा का प्रभाव परिलक्षित हुआ है।मानक हिंदी वर्तनी के प्रयोग के बारे में दिक्कतें अनुभव की गईं।छात्रों द्वारा हिंदी की भाषिक प्रयुक्तियों पर ध्यान केंद्रित करना आवश्यक है।हिंदी संप्रेषण कौशल अधिक विकसित करने हेतु हिंदी उच्चारण एवं लेखन की दृष्टि से ,blogs ,books-e ,portals-e ,CDs ,You Tube Videos ,Language Labहिंदी सॉफ्टवेयर्स आदि संसाधन उपलब्ध कराए जा सकते हैं,जिनसे छात्र लाभान्वित हो सकते हैं।

Microbiology Fest

Evaluation of scientific Rangoli by judges

Inauguration of MICROFEST 2020

Evaluation of scientific posters by chief guest

Prize Distribution

Hindi Pakhwada

हिंदी दिवस समारोह 14 सितंबर 2019 मा.प्राचार्य डॉ. पांडुरंग गायकवाडअध्यक्षीय वक्तव्य

हिंदी दिवस समारोह 14 सितंबर 2019 - मा.डॉ.शाकिर शेख

हिंदी काव्यवाचन प्रतियोगिता (दि.04 सितंबर 2019)

हिंदी वक्तृत्व प्रतियोगिता (दि.07 सितंबर 2019)

हिंदी भित्तिपत्रिका प्रकाशन दि.14 सितंबर 2019xt

PRINCIPAL
MAHATMA PHULE MAHAVIDYALAYA
PIMPRI, PUNE-411 017.